जादूगर | By Vivek Sharma

ढूंढ्यो सारो मैं संसार
था सो दूजो ना सरकार
से की बिगड़ी बणाओ थे ऐसा कारीगर

समझ में आवे कोणी माया संसार की
प्यार में पड़ोसयां बोले बाता व्यापार की
हो सांचो थारो दरबार
जग ते न्यारो थारो प्यार
पल में रोता हँसाओ थे ऐसा जादूगर

रीत जहाँ की ऐसी रोता ने रुलावे
बने सवा शेर ये तो हारया ने हरावे
जग से आवे कोई हार
बाबा थारे दरबार
हारी बाज़ी जिताओ थे ऐसा बाज़ीगर

उलझयो है जीव म्हारो माया के जाल में
थासे कुछ ना छानो बाबा बोलू काई हाल में
निर्मल ने थारी दरकार
बाबा थारो ही आधार
पथ राखो थे म्हारी बड़ी नाज़ुक या डगर
ढूंढ्यो सारो मैं संसार .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%97%e0%a4%b0-by-vivek-sharma/